12. १००८ श्री वासुपूज्य जी

यक्ष
षण्मुख

चिन्ह
भैंसा

वर्ण
लालवर्ण

यक्षिणी
गौरी

अर्घ

करों पूजा चित्त दै अरघ कर लेके सु जिनजी।
हरो बाधा मेरी अरज यह मानो सु प्रभु जी।।
सुरासुर गुण गावैं सुगरू मुनि ध्यावें चरण को।
सुनो वासपूजै हरो दुख स्वामी मरण को।।

ॐ ह्रीं श्री वासुपूज्य जिनेन्द्राय अनर्घ्यपदप्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

आषाढ़ कृष्णा-६

गर्भकल्याणक

फाल्गुन कृष्णा-१४

जन्मकल्याणक

फाल्गुन कृष्णा-१४

तपकल्याणक

माघ शुक्ला-२

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: वसुपूज्यराजा
माता: पाटलादेवी

मोक्ष स्थान श्री चम्पापुर जी

भाद्रपद शुक्ला-१४

मोक्षकल्याणक